eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं समस्या समाधान योग्यता के मध्य अन्तर–सम्बन्धों का अध्ययन

गजेन्द्र सिंह राजपूत[1], प्रो0 शिवराज कुमार[1]
[1]शोधार्थी, शिक्षक शिक्षा विभाग, नेहरू मेमोरियल शिव नारायण दास (पी0जी0) कालेज बदायूँ (उ0प्र0)
[2]प्रोफेसर शिक्षक शिक्षा विभाग, नेहरू मेमोरियल शिव नारायण दास (पी0जी0) कालेज बदायूँ (उ0प्र0)

Received: 20 Jan 2026, Accepted: 25 Jan 2026, Published with Peer Reviewed on line: 31 Jan 2026

Abstract

प्रस्तुत शोध–पत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं समस्या समाधान योग्यता के मध्य अन्तर–सम्बन्धों का अध्ययन किया गया। अध्ययन के लिए विद्यार्थियों का चयन जनपद फर्रूखाबाद के विकास–खण्ड बढ़पुर के अन्तर्गत संचालित तीन राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् कुल 200 बालक एवं बालिकाओं का चयन किया गया है जिसमें 100 बालक एवं 100 बालिकायें हैं। आँकड़ों के संग्रह के लिए विवरणात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। तथ्यों के संग्रह के लिए मानकीकृत उपकरणों को उपयोंग में लाया गया है। अध्ययन आदतों की योग्यता के लिए डॉ0 मुखोपाध्याय एवं डी0एन0 संसनवाल द्वारा निर्मित अध्ययन आदत योग्यता परीक्षण और समस्या योग्यता के लिए डॉ0 एल0एन0 दुबे द्वारा निर्मित समस्या समाधान योग्यता परीक्षण का प्रयोग किया गया है। तथ्यों के विश्लेषण के लिए समान्तर माध्य, मानक विचलन और टी0 परीक्षण का उपयोग किया गया है। अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि बालकों की अध्ययन आदतें अधिक योजनाबद्ध, क्रमबद्ध, नियमित और संतुलित है जबकि बालिकाओं की अध्ययन आदतों में अनियमित, अव्यवस्थित एवं असंतुलित है और बालिकाओं की अपेक्षा बालकों की समस्या समाधान योग्यता भी उच्च स्तर की हैं।

मुख्य शब्द–उच्चतर माध्यमिक स्तर, राजकीय विद्यालय, समस्या समाधान योग्यता, अध्ययन आदतें।

Introduction

मनुष्य सबसे बुद्धिमान प्राणी है। मनुष्य के जिज्ञासु, खोजी और विवेकशील होने के कारण उसकी बुद्धि का निरन्तर विकास होता रहता है। मनुष्य का आचरण, उसकी अध्ययन आदतें एवं जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान करने का तरीका उसके वातावरण एवं शिक्षा के स्तर पर निर्भर करता है इसलिए बच्चों की शिक्षा एवं उनका परिवेश गुणवत्तापूर्ण होना बहुत ही आवश्यक है। व्यक्ति की दिनचर्या, कार्यशैली, आदतें, रहन–सहन उसके व्यक्तित्व की आधारशिला होती है इसलिए अच्छे नागरिकों के निर्माण के लिए अच्छी शिक्षा एवं परिवेश का होना बहुत ही आवश्यक है।

आधुनिक समय विज्ञान एवं तकनीकी का युग है। व्यक्ति इतना अधिक भौतिकवादी हो गया है कि उसमें नैतिक व चारित्रिक गुणों, मूल्यों एवं संस्कारों का अभाव होता जा रहा है। आस–पास का परिवेश इतना अधिक दूषित हो गया है कि प्रत्येक व्यक्ति के कार्य करने के पीछे कुछ न कुछ स्वार्थ अवश्य होता है वह निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के स्थान पर अपने हित को महत्व देता है। पारिवारिक और सामाजिक, सामूहिक हित के स्थान पर स्वयं के लाभ को प्राथमिकता देता है इसलिए शिक्षा का यह उत्तरदायित्व हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति एवं समाज का निर्माण करे जो व्यक्तिगत हित के स्थान पर सर्वजन हित को महत्व दें।

वर्तमान समय में विद्यार्थी संचार के माध्यमों, सोशल मीडिया एवं तकनीकी पर इतना अधिक आश्रित हो गया है कि उसकी अध्ययन की आदतें प्रभावित हुई है जिससे उनमें एकाग्रता, चिन्तन, तर्क एवं स्मृति स्तर में गिरावट आ रही है वे चिड़चिड़े, अशान्त, तनाव एवं अकेलापन में जीवन–यापन कर रहें हैं। विद्यार्थियों

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

की अध्ययन आदतों में सुधार करने का दायित्व माता–पिता एवं शिक्षक का होता है इसलिए उनमें अच्छी आदतों को विकसित करके अच्छे गुणों से परिपूर्ण समाज का कुशल एवं जिम्मेदार नागरिक बनाये जिससे वे अपने जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान आसानी से कर सकें।

आधुनिक समय में विद्यार्थी समस्याओं में इतना अधिक उलझता जा रहा है और उनमें समस्याओं के समाधान के लिए धैर्य, चिन्तन एवं प्रयास न करके अपने लिए, परिवार व समाज के लिए अहितकर एवं क्षति पहुँचाने का कार्य करता हैं। विद्यालयों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले संस्थानों में समय–समय पर उनका उचित मार्गदर्शन करके उनके मानसिक स्वास्थ्य को सही करने का प्रयास करना चाहिए। जिससे विद्यार्थी मानसिक दबाव से युक्त होकर स्वस्थ स्पर्धा करके अपने जीवन को सकल बना सकें।

उच्चतर माध्यमिक स्तर–आधुनिक शिक्षा प्रणाली में माध्यमिक शिक्षा एक ऐसी कड़ी है जो प्राथमिक और उच्च शिक्षा को जोड़ने का कार्य करती है। माध्यमिक शिक्षा को दो भागों में विभाजित किया गया हैं –

1. **निम्न माध्यमिक स्तर**–इसमें कक्षा 9 व 10 को सम्मिलित किया गया हैं।
2. **उच्च माध्यमिक स्तर**–इसमें कक्षा 11 व 12 को सम्मिलित किया गया हैं।

राजकीय विद्यालय– राजकीय विद्यालय ऐसे विद्यालय है, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा स्थापित किया गया है इसके अन्तर्गत कक्षा 6 से 12 तक के बालक एवं बालिकायें शिक्षा प्राप्त करते है।

अध्ययन आदतें–मनुष्य की आदतें आचरण, व्यवहार एवं संवेगों पर निर्भर करती हैं। व्यक्ति की आदतें उसके रहन–सहन का स्तर, आस–पास का वातावरण, उसके साथी समूह, स्वास्थ्य एवं खान–पान पर आधारित होती हैं। आदतों से ही व्यक्ति के व्यक्तित्व और गुणों का विकास होता हैं। विद्यार्थियों की आदतों से ही उनकी सफलता निर्धारित होती है। अच्छी आदतें ही अच्छे व्यक्ति एवं समाज के निर्माण में सहायक होती हैं।

समस्या समाधान योग्यता–विद्यार्थी जीवन में प्रत्येंक व्यक्ति को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। व्यक्ति अपनी बुद्धि, विवेक, तर्क, चिन्तन से समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करता है यदि वह समस्याओं का समाधान करने में सफल हो जाता है तो इसे समस्या समाधान योग्यता कहते हैं। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को आशावादी, धैर्यवान एवं आत्मविश्वासी होना बहुत ही आवश्यक होता है। कभी–कभी समस्या का समाधान आसानी से नहीं मिलता है तो निराश न होकर निरन्तर प्रयास जारी रखने एवं अपनी कमियों में सुधार करने से अवश्य ही समस्या का समाधान मिल जाता हैं।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व–आधुनिक समय में शिक्षा को बाल केन्द्रित बना दिया गया है। विद्यार्थियों में अपने शिक्षक के प्रति सम्मान का अभाव होता जा रहा हैं। अभिभावक भी शिक्षक को सम्मान देने के बजाय अपने बच्चों के पक्ष को प्रभावी ढ़ंग से रखते है और अपने बच्चों की गलतियों का भी समर्थन करते हैं जिससे उनमें अनुशासनहीनता उत्पन्न हो रही है उनकी अध्ययन की आदतें प्रभावित हो रही हैं। जिसके परिणाम स्वरूप वे अध्ययन के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उनका शैक्षिक, नैतिक , चारित्रिक, सामाजिक व संवेगात्मक विकास सही से न हो पाने के कारण तोड़–फोड़, धरना–प्रदर्शन, लड़ाई–झगड़ा एवं अनुशासनहीनता जैसी गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे रहे है इसलिए शोधकर्ता ने अपने अध्ययन में अध्ययन आदतों एवं समस्या समाधान योग्यता को सम्मिलित किया है जिससे विद्यार्थियो में अध्ययन आदतों की कमियों को जानकर अच्छी अध्ययन आदतों को विकसित किया जा सकें। साथ ही उनके जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान भी अधिक कुशलता से कर सकें इसके लिए विद्यार्थियो में अच्छी आदतों और विद्यार्थी के गुणों को विकसित करना होगा। इसके लिए विद्यार्थियो को स्वयं, अभिभावकों एवं शिक्षकों को सम्मिलित रूप से प्रयास करने की आवश्यकता हैं।

सम्बन्धित साहित्य–

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

सिद्ध,रामी (2024)–ने माध्यमिक स्तर की छात्राओं की अध्ययन आदतों पर उनके विद्यालयी शैक्षिक मूल्याँकन पद्वति के प्रभावों का अध्ययन किया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि निजी माध्यमिक एवं राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की अध्ययन आदतों पर मूल्याँकन पद्वति का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है। शहरी और ग्रामीण राजकीय विद्यालय में सकारात्मक प्रभाव है जबकि शहरी और निजी ग्रामीण विद्यालयों में कोई सार्थक अन्तर नहीं हैं।

सक्सेना, ओरूषि एवं सरिता गोस्वामी (2025)–ने माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन किया। अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता की विकास में समानता पायी गयी हैं। इन विद्यार्थियो की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

शर्मा, गोपेश कुमार एवं सविता गुप्ता (2022)– ने कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर पाया गया। जबकि अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर नहीं हैं। इन विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर है लेकिन समायोजन स्तर में सार्थक अन्तर नहीं है।

सिंह, ब्रिज मोहन एवं सुमन कुमारी (2024)–ने प्राथमिक छात्रों के बीच अध्ययन आदतों और शैक्षिक उत्कृष्टि के बीच सम्बन्ध पर अध्ययन किया और निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि समय प्रबन्धन में शैक्षिक प्रदर्शन प्रभावकारी है। अध्ययन तकनीकी के प्रभाव का छात्र एवं छात्राओं में अन्तर हैं। छात्र एवं छात्राओं के बीच सकारात्मक सम्बन्ध देखा गया जिससे शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार होता है।

अध्ययन का परिसीमन–

1. अध्ययन में जनपद फर्रूखाबाद के विकास खण्ड–बढ़पुर के विद्यालयों का चयन किया गया है।
2. अध्ययन में केवल उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों का चयन किया गया है।
3. अध्ययन में उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया है।
4. अध्ययन में केवल कक्षा–11 और 12 के बालक एवं बालिकाओं का चयन किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य–

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का अध्ययन करना।
2. उच्चरत माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनायें–

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध विधि– शोधकर्ता ने आँकड़ो के संग्रह के लिए विवरणात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है।

जनसंख्या–शोधकर्ता ने अपने अध्ययन में जनपद फर्रूखाबाद के विकास–खण्ड बढ़पुर के उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

न्यादर्श– शोधकर्ता ने न्यादर्श के रूप में जनपद फर्रूखाबाद के विकास खण्ड–बढ़पुर के अन्तर्गत संचालित केवल तीन राजकीय विद्यालयों को सम्मिलित किया है। इन विद्यालयों से 100 बालक एवं 100 बालिकाओं का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण– अध्ययन के लिए मानकीकृत उपकरणों का उपयोग किया गया हैं।

अध्ययन आदतें–अध्ययन आदतों के लिए डॉ0 मुखोपाध्याय एवं डॉ0 डी0एन0 संसनवाल द्वारा निर्मित अध्ययन आदत योग्यता परीक्षण का प्रयोग किया है। इस परीक्षण में कुल 52 प्रश्न हैं जिसमें से धनात्मक और ऋणात्मक प्रश्नों की संख्या क्रमशः 34 और 18 है। इस परीक्षण का विश्वनीयता गुणाँक 0.91 और वैधता गुणाँक 0.82 हैं।

समस्या समाधान योग्यता–समस्या समाधान योग्यता के लिए डॉ0 एल0एन0 दुबे द्वारा निर्मित समस्या समाधान योग्यता परीक्षण का उपयोग किया गया है। इस परीक्षण में कुल 20 प्रश्न हैं जिनको हल करने के लिए 40 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इस परीक्षण का स्पीयरमैन ब्राउन सूत्र से विश्वसनीयता गुणाँक 0.782 और कुडर रिचर्डसन सूत्र से विश्वसनीयता गुणाँक 0.768 है।

सांख्यकीय विधि–शोधकर्ता ने आँकड़ों के विश्लेषण के लिए समान्तर माध्य, मानक विचलन और टी–परीक्षण का प्रयोग किया है।

सारणी–1

अति उच्च योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की समस्या समाधान योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	10	17.5	0.5	15	6.18	2.95	2.13	सार्थक
बालिकायें	07	16.14	0.11					

उपरोक्त सारणी–1 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 17.5 एवं मानक विचलन 0.5 है और बालिकाओं का मध्यमान 16.14 एवं मानक विचलन 0.11 है दोनों समूह के मध्य सार्थकता स्तर **t** अनुपात 6.18 है **df** 15 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.95 एवं 0.5 पर 2.13 प्राप्त किया है। जिससे स्पष्ट होता है कि दोनो समूहों के मध्य सार्थक अन्तर है।

सारणी–2

अति उच्च योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की अध्ययन आदतों की योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	22	234.0	13.48	29	7.54	2.86	2.09	सार्थक
बालिकायें	09	222.6	12.9					

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

उपरोक्त सारणी–2 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 234 तथा मानक विचलन 13.48 प्राप्त हुआ तथा बालिकाओं का मध्यमान 222.6 तथा मानक विचलन 12.9 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 7.54 हैं। df 29 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.86 एवं .05 पर 2.09 प्राप्त किया। इससे स्पष्ट होता है कि समूहों में सार्थक अन्तर है।

सारणी–3

उच्च योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की समस्या समाधान योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	20	15.65	0.47	29	8.62	2.76	2.04	सार्थक
बालिकायें	11	14.27	0.44					

उपरोक्त सारणी–3 को देखने से स्पष्ट होता है कि बालकों का मध्यमान 15.65 तथा मानक विचलन 0.47 प्राप्त हुआ बालिकाओं का मध्यमान 14.27 व मानक विचलन 0.44 प्राप्त हुआ। दोनों समहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 8.62 है df 29 के सार्थकता स्तर 0.1 पर 2.76 एवं .05 पर 2.04 प्राप्त किया जिससे स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों में सार्थक अन्तर है।

सारणी–4

उच्च मानसिक स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की अध्ययन आदतों की योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	18	191.5	11.3	32	5.45	2.75	2.04	सार्थक
बालिकायें	16	170.5	10.5					

उपरोक्त सारणी–4 को देखने से स्पष्ट होता है कि बालकों का मध्यमान 191.5 तथा मानक विचलन 11.3 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 170.5 व मानक विचलन 10.5 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 5.45 है। df 32 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.75 एवं .05 पर 2.04 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

सारणी–5

औसत योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की समस्या समाधान योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	36	13.6	0.44	62	4.6	2.38	2.01	सार्थक
बालिकायें	28	14.27	0.44					

उपरोक्त सारणी–5 को देखने से स्पष्ट होता है कि बालकों का मध्यमान 13.6 तथा मानक विचलन 0.44 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 14.27 व मानक विचलन 0.44 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 4.6 हैं df 62 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.38 एवं .05 पर 2.01 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर है।

सारणी–6

औसत योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की अध्ययन आदतों की योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	28	152.8	12.5	70	7.5	2.63	1.99	सार्थक
बालिकायें	42	132.6	10.5					

उपरोक्त सारणी–6 को देखने से स्पष्ट होता है कि बालकों का मध्यमान 152.8 तथा मानक विचलन 12.5 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 132.6 व मानक विचलन 10.5 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 7.5 है df 70 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.63 एवं .05 पर 1.99 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों में सार्थक अन्तर है।

सारणी–7

निम्न योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की समस्या समाधान योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	14	11.2	12.69					

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

बालिकायें	18	9.52	13.05	30	3.55	2.75	2.04	सार्थक

उपरोक्त सारणी–7 से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 11.2 तथा मानक विचलन 12.69 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 9.52 व मानक विचलन 13.05 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 3.55 है df 30 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.75 एवं .05 पर 2.04 प्राप्त हुआ जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों में सार्थक अन्तर है।

सारणी–8

निम्न योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की अध्ययन आदतों की योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	22	157	0.46	40	5.6	2.69	2.02	सार्थक
बालिकायें	20	205	0.44					

उपरोक्त सारणी–8 से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 257 तथा मानक विचलन 0.46 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 205 व मानक विचलन 0.44 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 5.6 है df 40 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.69 एवं .05 पर 2.02 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों में सार्थक अन्तर है।

सारणी–9

अति निम्न योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की समस्या समाधान योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	20	8.3	1.02	54	3.57	2.68	2.01	सार्थक
बालिकायें	36	7.3	0.99					

उपरोक्त सारणी–9 को देखने से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 8.3 तथा मानक विचलन 1.02 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 7.3 व मानक विचलन 0.99 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 3.57 है df 54 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.68 एवं .05 पर 2.01 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों में सार्थक अन्तर है।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

सारणी–10

अति निम्न योग्यता स्तर पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं की अध्ययन आदतों सम्बन्धी योग्यता की गणना।

प्रतिदर्श	N	M	Sd	df	t	सार्थकता स्तर .01	सार्थकता स्तर .05	निष्कर्ष
बालक	10	70.1	13.88	21	2.71	2.63	2.08	सार्थक
बालिकायें	13	54.9	11.2					

उपरोक्त सारणी–10 को देखने से ज्ञात होता है कि बालकों का मध्यमान 70.1 तथा मानक विचलन 13.88 प्राप्त हुआ। बालिकाओं का मध्यमान 54.9 व मानक विचलन 11.2 प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य सार्थकता स्तर t अनुपात 2.71 है df 21 के सार्थकता स्तर .01 पर 2.63 एवं .05 पर 2.08 प्राप्त किया जिससे सिद्ध होता है कि दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर है।

निष्कर्ष–उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं समस्या समाधान योग्यता में सार्थक अन्तर है। अतः शून्य परिकल्पनायें अस्वीकृत की जाती है। बालकों की अध्ययन आदतें अधिक नियन्त्रित और नियोजित होती हैं। बालिकाओं की अपेक्षा बालकों में समस्या समाधान योग्यता बेहतर है। बालिकाओं को घरेलू उत्तरदायित्वों, संसाधनों की अल्पता के कारण अध्ययन आदतें कम नियोजित हैं इसलिए बालिकायें उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अधिकतर कला वर्ग के विषयों का चयन करती हैं। अतः कह सकते है कि बालक की अध्ययन आदतें अधिक योजनाबद्ध, नियन्त्रित एवं बालिकाओं से बेहतर हैं।

भावी अनुसंधान हेतु सुझाव–

- प्रस्तुत शोध का अध्ययन एक जिला तक ही सीमित है इसे कई जिलों या मण्डल स्तर पर किया जा सकता है।
- प्रस्तुत शोध केवल उच्चतर माध्यमिक स्तर पर किया गया है इसे विस्तृत करके उच्च शिक्षा के स्तर पर किया जा सकता है।
- प्रस्तुत शोध मे केवल अध्ययन आदतों और समस्या समाधान योग्यता को सम्मिलित किया गया है इसमें अन्य चरों पर भी शामिल किया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची–

1. जैन, बलिदान (2014). उच्च सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों तथा शैक्षिक उपलब्धि में सहसम्बन्ध का अध्ययन। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थाट्स। वॉल्यूम–2 ईसू–1 पृ0सं0 69–86
2. मित्तल, शुचि (2018). गतिविधि आधारित शिक्षण का विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन। आई0ओ0एस0आर0 जर्नल ऑफ हियुम्निटीस एण्ड सोशल साइन्स। वॉल्यूम–23 ईसू–3 ver–1 पृ0सं0 80–84

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Volume 09, Issue 01, January 2026

3. सिद्ध,रामी (2024). माध्यमिक स्तर की छात्राओं की अध्ययन आदतों पर उनके विद्यालयी शैक्षिक मूल्याँकन पद्धति के प्रभावों का अध्ययन। द अकादमिक इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीपलनरी रिसर्च। वॉल्यूम–2 ईसू–9 पृ0सं0 649–660

4. डेविड, राकेश कुमार एवं उल्हास दधाकर (2017). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन सम्बन्धी आदतों पर पारिवारिक वातावरण और परामर्श का प्रभाव। जर्नल ऑफ एडवान्स एण्ड स्कालरी रिसर्चचिस इन एलाइड एजूकेशन। वॉल्यूम–13 ईसू–1 पृ0सृ0 885–889

5. ज्योति एवं आरती सिंह (2023). समस्या समाधान योग्यता के विकास में पाँच ई–प्रतिमान की अहम भूमिका। श्रृंखला एक शोधपरक वैचारिक पत्रिका। वॉल्यूम– x ईसू– xi पृ0सं0 1–8

6. कुमार, अवधेश एवं प्रिंस कुमारी (2023). विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता एवं सांवेगिक बुद्धि का सहसम्बन्धात्मक अध्ययन। शोध शौर्यम इण्टरनेशनल साइन्टफिक रेफेरीड रिसर्च जर्नल। वॉल्यूम–6 ईसू–6 पृ0सं0 101–109

7. कुमार, विशनू एवं किरन वर्मा (2022). विद्यार्थियों की दुश्चिन्ता की समस्या एवं समाधान एक अध्ययन। परिपेक्ष इण्डियन जर्नल ऑफ रिसर्च। वॉल्यूम–11 ईसू–8

8. नायक, नीतू एवं कविता शर्मा (2025). समस्या समाधान योग्यता पर अधिगम शैली, लिंग एवं संकाय का अन्तः क्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन। वॉल्यूम–12, ईसू–12 पृ0सृ0 b439– b448

9. सिंह, ब्रिजमोहन एवं सुमन कुमारी (2024). प्राथमिक छात्रों के बीच अध्ययन आदतों और शैक्षिक उत्कृष्टि के बीच सम्बन्धः एक आंकिक अनुसंधान अध्ययन। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ नोवल रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट। वॉल्यूम–9, ईसू–3 पृ0सं0 a177–a181

10. शर्मा, गोपेश कुमार एवं डॉ0 सविता गुप्ता (2022). कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। जर्नल ऑफ इमरजिंग टेक्नोलाजीस एण्ड इनोवेटिव रिसर्च। वॉल्यूम–9, ईसू–8 पृ0सं0 1–9

11. खटकर, हेमन्त कुमार, रेखा नरेन्द्र जिभकाटे, नवखरेद्ध, कु0 समीना कुरैशी (2020). किशोरियों में अध्ययन आदतों का व्यक्तित्व प्रकार के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन। इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिवियुस एण्ड रिसर्च इन सोशल साइन्सेस। वॉल्यूम–8 ईसू–1